वार्षिक प्रगति आख्या

वर्ष 2014–15

हिमाद समिति गोपेश्वर चमोली

निकट गणेश मन्दिर गोपेश्वर चमोली उत्तराखंण्ड पिन कोड नं0 246401

फोन न0 .911372253068,253067,253069, फैक्स न0 .91137225306

ई मेल : himadsamiti@gmail.com Web: www.himad.org

हिमाद 20 वर्षों से लगातार सामाजिक क्षेत्र में विभिन्न कार्यक्रमों एवं गतिविधियों के माध्यम से जन जागरूकता का काम करता आया है। जिसमें गरीब एवं हाशिये पर रह रहे लोगों के सामाजिक एवं आर्थिक जीवन में सुधार हेतु प्रयास किये जा रहे हैं। जिसके तहत विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से समुदाय में सामाजिक सरोकार के काम को मजबूती प्रदान करने के लिए समूहों व व्यक्तियो के दृष्टिकोण निर्माण एवं कार्यनीति बनाने और उसे समृद्व करने में मदद करना। जानकारी ज्ञान एवं सूचना विकास के लिए सामाजिक समूहों की नेटवर्किंग कर उसमें बढ़ोत्तरी करना तथा समुदाय को संगठित कर उनमें लोकतान्त्रिक प्रक्रिया को संचालित करने हेतु तैयार करना। तथा समुदाय में व्याप्त कुरीतियों, लिंगभेद, जाति भेद, जेण्डर विभेद, शोषण, गरीबी, आत्म निर्भर व भेदभाव रहित लोकतान्त्रिक समाज बनाने के लिए संवेदित करना। तथा उपलब्ध आधार भूत सुविधाओं के बेहतर उपयोग एवं शासन प्रशासन के साथ समन्वयन हेतु वातावरण तैयार करने का काम करते आया है।

बाल अधिकारों के लिए जन प्रयास कार्यक्रम

विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी क्राई नई दिल्ली के सहयोग से बाल अधिकारों के लिए जनप्रयास कार्यक्रम का संचालन किया गया जिसके तहत जनपद चमोली के विकासखण्ड पोखरी एवं दशोली के 12 गांवों में बाल अधिकारों की स्थापना हेतु विभिन्न गतिविधियों का संचालन किया गया। जिसके फलस्वरूप निम्न परिणाम प्राप्त किये गये। गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच के लिए कार्यक्षेत्र के मसोली, जखमाला, पाटी, श्रीगढ़, गुड़म, डांडागैर के सामुदायिक संगठनों के माध्यम से स्वास्थ्य उपकेंन्द्र की मांग को प्रमुखता से उठाया गया। जिसके फलस्वरूप हापला में होम्योपैथिक केंन्द्र की स्थापना की स्वीकृति प्राप्त हुई तथा स्वास्थ्य विभाग द्वारा भूमि चयन तथा कर्मचारियों की नियुक्ति हेतु शासनादेश जारी किया। सभी 12 गांवों के स्वास्थ्य उपकेंन्द्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंन्द्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केंन्द्र एवं जिला चिकित्सालय का आईपीएचएस के मानकों के आधार पर विश्लेषण रिपोर्ट तैयार की गयी। तथा बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं के टीकाकरण, एएनसी, पीएनसी जांच तथा महिला एवं बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत दी जाने वाली सुविधाओं की मैपिंग कर रिपोर्ट तैयार की गयी। कार्यक्षेत्र के 12 गांवों कुजांउ, मैकोट, बैना बस्ती, सलना, मसोली, जौरासी, डांडा, जखमाला, गुड़म, डांडागैर श्रीगढ़ एवं पाटी गांवों में आंगनबाड़ी केंन्द्रों के सक्रियकरण के मानकों एवं गुणवत्ता पूर्ण पूरक पोषाहार, तथा टेक होम राशन के वितरण का अध्ययन कर विश्लेषण रिपोर्ट तैयार की गयी। तथा समुदाय को आइसीडीएस मिशन एवं प्राथमिक बाल स्वास्थ्य एवं देखभाल कार्यक्रम की बैठकों एवं कार्यशालाओं के माध्यम से जानकारी प्रदान की गयी। तथा मानकों के आधार पर समुदाय के माध्यम से आंगनबाड़ी भवन, किचन, शौचालय, पानी एवं समय से पूरक पोषाहार के वितरण की मांग की गयी। समुदाय एवं समिति के सदस्यों द्वारा सूचना अधिकार का प्रयोग कर बाल, शिशु एवं मातृ मृत्यु, जननी सुरक्षा योजना से लाभान्वित महिलाओं की संख्या, तथा संस्थागत प्रसवों की संख्या की जानकारी प्राप्त की गयी। तथा आंकड़ों का संकलन कर विश्लेषण रिपोर्ट तैयार कर शासन प्रशासन को प्रस्तुत की गयी।

गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं तक बच्चों की पहुच – गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं तक बच्चों की पहुच के लिए कार्यक्षेत्र के मसोली में जहा सामुदायिक संगठनों के माध्यम से उपकेन्द्र की स्थापना की मांग की गयी । वही कार्यक्षेत्र के सलना , देवर–खडोरा एवं कुजाउ मैकोट में स्वास्थ्य उपकेन्द्र में मूलभूत सुवधिाओं के लिए पंचायत एवं जन संगठनों के माध्यम से पहल की गयी । कार्यक्षेत्र के सभी गांवों में बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं के समय से टीकाकरण, जननी सुरक्षा , संस्थागत प्रसव , समय से नियमित गर्भवती महिलाओं की जांच , सरकार की स्वास्थ्य देखभाल एवं सुरक्षा कार्यक्रम तथा राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के साथ ही शिशु एंव बाल मृत्यु के मुददे ,किशारियों एवं महिलाओं में एनीमिया की कमी , महिला एवं बाल स्वास्थ्य सुरक्षा देखभाल कार्यक्रम, समुदाय के साथ ज्ञान ,व्यवहार एवं सोच का अध्ययन, परम्परागत दाईयों का सुरक्षित प्रसव का अभ्यास , संस्थागत प्रसव के लिए दृष्टिकोण निर्माण , बाल एवं शिशु मृत्यों के कारणों की पहचान, समुदाय के साथ समय से बच्चों के जन्म पंजीयन एवं प्रमाण पत्र के लिए संवेदीकरण, स्वास्थ्य समितियों के सदस्यों एवं ग्राम स्वास्थ्य समिति के सदस्यों के साथ गावं की स्वास्थ्य समस्यों पर चर्चा कर पैरवी करना , आईपीएचएस मानकों के अनुसार स्वास्थ्य उपकेन्द्रों के मानको का सक्रियकरण कर अपडेशन करना और स्वास्थ्य की समस्याओं को चिन्हित कर स्तरीय रिपोर्ट तैयार कर प्रशासन एवं अन्य हितग्राही के साथ आदान–प्रदान किया गया । साथ ही कार्यक्षेत्र के

गांवों की सभी आगनबाडी केन्द्रों का मानकों के आधार पर सक्रियकरण तथा उपकेन्द्र की स्थिति के साथ आईसीडीएस मिशन के तहत दी जाने वाली सेवाओं पर समुदाय को जानकारी दी गयी । जिला बाल विभाग को रिपोर्ट के माध्यम से आईसीडीएस मिशन की स्थिति से अवगत कराया गया। कार्यक्षेत्र के गांवों के सामुदायिक संगठनों के सदस्यों के द्वारा सूचना के अधिकार का प्रयोग कर जिला स्तर पर बाल ,शिशु एवं मातृ मृत्यु की जानकारी प्राप्त की गयी। द्वितीय आंकडो एंव व्ययहारिक आंकडों का विशलेषण कर रिपोर्ट तैयार की गयी जिससे विभाग के आदान–प्रदान किया गया ।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुच – कार्यक्षेत्र के सभी गांवों में 18 वर्ष के बच्चों की प्रोफीलिंग कर विश्लेषण किया गया तथा समुदाय को शिक्षा अधिकार अधिनियम के बेहत्तर क्रियान्वयन , सक्रियकरण के मानकों , विद्यालयों में ढांचागत एवं गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा के प्रति जागरूक किया गया । शिक्षा अधिकार अधिनियम के मानको पर साहित्य तैयार कर सभी गांवों की विद्यालय प्रबन्धन समिति के सदस्यों, महिला संगठनों के सदस्यों, दबाव समूहों के साथ आदान–प्रदान किया गया । विद्यालयों में मूलभूत सुविधाओं के लिए प्रबन्धन समिति के सदस्यों के द्वारा प्रशासन को ज्ञापन प्रेषित किये गये । नियमित स्कूल न जाने वाले बच्चों , स्कूल छोडने वाले बच्चों के अभिवाहकों के साथ सर्म्पक किया गया तथा गांवों में बैठकों का आयोजन कर बच्चों को नियमित विद्यालय जाने के लिए काउंसलिंग की गयी। शिक्षा सत्र के आरम्भ में प्रबन्धन समिति के गठन , सदस्यों को शिक्षा अधिकार अधिनियम , विद्यालय विकास योजना , तथा विद्यालयों की स्थिति से अवगत कराया गया ।विद्यालयों में मध्यान भोजन की गुणवत्ता एवं नियमित अनुश्रवण एंव मूल्यांकन के लिए विद्यालय प्रबन्धन समिति के सदस्यों को प्रेरित किया गया। जनपद के सभी विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की जानकारी सूचना के अधिकार से प्राप्त की गयी एवं विद्यालयों की मैपिक का अध्ययन कर विश्लेषण रिपोर्ट तैयार की गयी । रिपोर्ट को राज्य बाल संरक्षण आयोग को भेजा गया । कार्यक्षेत्र के 12 प्रा0वि0 एवं 04 जूनियर वि0 के शिक्षा अधिकार अधिनियम के मानकों के अनुसार सक्रियकरण के लिए मानक तैयार कर विद्यालयों में शौचालयों की स्थिति की स्तरीय रिपोर्ट तैयार की गयी।

बच्चों की सुरक्षा – कार्यक्षेत्र के सभी गांवों में बच्चों के सम्पूर्ण विकास हेतु उचित माहौल और उप्पीडन एवं शोषण से सुरक्षा के लिए कायक्षेत्र के 12 गांवों में बच्चों की सुरक्षा के लिए बाल मजदूरी करने वाले बच्चों की जानकारी एकत्र कर दस्तावेजी किया गया । तथा बाल मजदूरी से बच्चों के स्वास्थ्य एवं शिक्षा पर पडने वाले प्रभावों के प्रति अभिवाहकों एवं समुदाय के साथ जागरूकता बैठकों का आयोजन किया गया। साथ ही सूचना के अधिकार का उपयोग कर जनपद चमोली में बाल मजदूरी की स्थिति तथा प्राथमिक एवं द्वितीयक आकडों का संकलन किया कर बाल मजदूरी के मुददे को मीडिया के माध्यम से उठाया गया। लिंगभेद के कारणों की पहचान कर जेण्डर विभेद पर समुदाय एवं परिवारों के साथ सर्म्पक किया गया । किशोरियों के अधिकार एवं बैद्यानिक अधिकारों के प्रति किशोरियों के साथ बैठकों का आयोजन किया गया । बच्चों को कारगर रूप से सुरक्षित रखने के लिए मनरेगा के तहत रोजगार मुहैया करवाने के लिए समय से कार्य के लिए आवेदन , समय से भुगतान के साथ ही योजना की जानकारी, जाबकार्ड धारकों को दी गयी जिससे जाबकार्ड धारकों के द्वारा खण्ड विकास अधिकारी एवं जिला प्रशासन से समय भुगतान न होने पर मुआवजे की मांग की गयी । मनरेगा योजना के तहत सामजिक अंकेक्षण की प्रक्रिया से समुदाय को अवगत कराया गया । कार्यक्षेत्र के सभी गांवों में जरूरतमंन्द, एकल परिवारों का चिहिन्करण कर इन परिवारों में बच्चों की सुरक्षा की स्थिति की जानकारी संकलित की गयी तथा परिवारों को सरकारी की विभिन्न लोककल्याणकारी योजनाओं से जुडाव किया गया

बच्चों की भागीदारी. – बच्चों की समाज में सम्मान एंव मान्यता प्राप्त करने तथा बच्चों द्वारा अपनी भावनओं एवं विचारों को व्यक्त करने के उददेश्य से बच्चों के साथ मिलकर

बाल एंव किशोर संगठनों का गठन किया गया। सभी गांवों में बाल एवं किशोर संगठनों के साथ मासिक बैठकों का आयोजन कर उनकी समझ को विकसित करने के कार्य किया गया । बच्चों की विभिन्न अभ्यास एवं खेलों के माध्यम से शिक्षा अधिकार अधिनियमि , स्वास्थ्य , स्वच्छता , सफाई , जन्म पंजीयन , टीकाकरण , बाल अधिकारों की जानकारी दी गयी । समुदाय स्तर पर बाल एवं किशोरों के साथ बैठकों का आयोजन कर बच्चों के भागीदारी के महत्व और उनके विचारों एवं निर्णयों को सम्मान देने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्षेत्र में बच्चों लिए रचनात्माक गतिविधि , आत्म विश्वास में बढोत्तरी, नेतृत्व क्षमता के विकास के लिए बाल मेलों का आयोजन हुआ बाल मेले का संचालन बाल एंव किशोर सभा के सदस्यें के द्वारा किया गया। बच्चों की सहभागिता की प्रक्रिया का दस्तावेजीकरण किया गया।

चाइल्ड हेल्प लाइन सेवा 1098

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा समेकित बाल सुरक्षा कार्यक्रम के तहत संस्था द्वारा जिला चमोली में चाइल्ड हेल्प लाइन सेवा 1098 का संचालन किया जा रहा है जिसमें उत्पीड़न, शोषण, बाल मजदूरी, लापता, अनाथ, विकलांग, बाल यौन दुर्व्यवहार, नशाखोरी, से ग्रसित बच्चों को सुरक्षा प्रदान करना तथा आवश्यकता वाले बच्चों को स्वास्थ्य, शिक्षा, सैल्टर, तथा विभागों से दी जाने वाली अन्य सुविधाओं का लाभ प्रदान किया जाता है। यह एक 24 घंण्टे दी जाने वाली निःशुल्क एवं आपातकालीन सेवा है। जिसमें उपरोक्त से ग्रसित बच्चे की सहायता की जा सकती है। तथा जागरूकता बैठकों, ओपन हाउस एवं फोन टेस्टिंग के माध्यम से समुदाय को 1098 के प्रति जागरूक किया जाता है। तथा स्कूल न जाने वाले बच्चों, विकलांग एवं बीमार बच्चों को लाभ दिलवाने हेतु समाज कल्याण विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित विभिन्न लोक कल्याणकारी योजनाओं से जुड़ाव किया गया है।

अभी तक वर्ष में कुल 976 कॉल टेस्टिंग, 130 जागरूकता बैठकें, 48 ओपन हाउस तथा 196 आउटरीच किये गये। जिसमें इन गतिविधियों के माध्यम से 1098 के प्रति लोागें को जागरूक किया गया। जिसके फलस्वरूप कुल 53 केसों को चिन्हित कर उनका समाधान किया गया।

01 अप्रैल 2014 से 31 मार्च 2015 तक आये केसों का विवरण

क्र. स.	केस आईडी स.	बच्चे का नाम	उम्र	दिनांक	पिता का नाम	पता	स्थिति
1.	104690	ज्योति	17	07.04.14	भुवनेश्वर कोडियाल	ग्राम सिदोली पो0 सिदोली जिला चमोली	पिता द्वारा शराब पीकर पत्नी तथा बच्चो के साथ मारपीट की जाती है।
2.	104857	शिवम्	04	09.04.14	केशव सैलानी	ग्राम पाखी पो0 पाखी जिला चमोली	शारीरिक विकलांग
3.	107215	आशीष		29.04.14		ग्राम देवर कुलियाला तोक जिला चमोली	अनाथ
4.	107210	हिमांशु	13	29.04.14		देवर कुनियाला तोक जिला चमोली	अनाथ
5.	107214	अनुष्का	4	29.04.14	देवेन्द्र सिंह	पीपलकोटी जिला चमोली	विकलांग
6.	107521	पदम बहादुर	14	02.05.14	श्री नृसिंह बहादुर	ग्राम टारखाकोट पो0 टारखाकोट जिला जाजर कोट नेपाल	बाल श्रमिक
7.	107522	राजबहादुर	16	02.05.14	रामेट बहादुर	ग्राम मुरिवाला जिला जाजर कोट नेपाल	बाल श्रमिक
8.	107861	ओमप्रकाश	15	03.5.14		बसन्तपुर वार्ड न् 3 पो0 गौचर जिला चमोली	बाल श्रमिक

9.	115072	अनिल कुमार	16	20.06.14	रमेश राम	ग्राम बूराघाट पो0 बूरा जिला चमोली	घर से भागे हुये
10.	115073	अनिल राम	13	206.2014	रमेश राम	ग्राम बूराघाट पो0 बूरा जिला चमोली	घर से भागे हुये
11.	115074	मुकेश राम	16	20.06.14		ग्राम बूराघाट पो0 बूरा जिला चमोली	घर से भागे हुये
12.	118111	कोमल	6	09.0714	सते सिंह	ग्राम काण्डई पो0 दस्ज्युला चमोली	कान मे की समस्या विकलांग
13.	118313	नरेन्द्र सिह	16	11.07.14	प्रताप सिंह	गोगाना पो0 श्रीगोगे ब्लाक गैरसैंण जिला चमोली	स्कूल मे प्रवेश नही हो पा रहा था। जिसमे चाइल्ड लाइन द्वारा प्रवेश कराया गया।
14.	119025	बबीता	12	16.07.14	राम सिंह	ग्राम कांज पोथनी पो0 मैकोट जिला चमोली	मां द्वारा घर मे प्रताड़ित किया जाता है।
15.	119026	रचिता	08	16.07.14	राम सिंह	ग्राम कोंज पोथनी पो0 मैकोट जिला चमोली	मां द्वारा प्रताडित किया जाता है।
16.	120653	अखिलेश कुमार	16	26.07.14	दर्शन लाल	सिंह धार जोशीमठ जिला चमोली	लापता बच्चा
17.	121314	पवन सिंह	16	31.7.14	फते सिंह	ग्राम कुजांउ पो0– मैकोट जिला चमोली	स्कूल से अन्य साथियों के चले जाने से दुख
18.	122195	आईशा	15	06.08.14	राजेन्द्र लाल	ग्राम कुड़ाव पो0 कुड़ाव जिला चमोली	चाचा द्वारा शराब पीकर परेशान करना
19.	122965	निशा	13	12.08.14	रोशन लाल	नैग्वाड़ पो0ओ0 गोपेश्वर जिला चमोली	शारीरिक विकलांग
20.	123094	कृष्णा	06	13.08.14	सुरेन्द्र सिंह रावत	ग्राम सलूड़ जोशीमठ जिला चमोली	विकलांग
21.	123184	रोहित	11	13.08.14	धीरेन्द्र सिंह बिष्ट	ग्राम खल्ला पो0– टंगसा जिला चमोली	शारीरिक विकलांग
22.	123523	अमित भण्डारी	16	16.08.14	दिलबर सिंह	ग्राम कुंजाउ मैकोट जिला चमोली	पढ़ाई मे दिक्कत
23.	123949	सतीश सिंह	12	20.08.14	श्री रनवीर सिंह	ग्राम कुंजाउ पो0 मैकोट जिला चमोली	पढ़ाई मे दिक्कत होने के कारण
24.	124126	नवजात	2दिन	21.08.14	कल्पेश्वर सनवाल	ग्राम मासौ पो0 मासौ जिला चमोली	शारिक विकलांग जिसकी 03 दिन बाद मृत्यु हो गयी
25.	125380	हरक बहादुर	15	27.08.14	मनबहादुर	नेपाल	बाल श्रमिक
26.	126883	सोनाल	8 माह	04.09.14	सनोद कुमार	नैग्वाड़ पो0 गोपेश्वर जिला चमोली	शारीरिक विकलांग
27.	131519	आयुश सिंह	6 माह	29.09.14	दिनेश सिंह रावत	डुंगर पो0– नगली जिला चमोली	शारीरिक विकलांग
28.	131777	संगीता	14	01.01.14	दलबीर राम	ग्राम हंसकोटी पो0– थराली	बाल विवाह
29.	132116	कुलदीप	11	01.10.14	जगदीश सिंह कठैत	ग्राम कौंज पोथनी पो0 मैकोट जिला चमोली	विकलांग होने के कारण
30.	132342	सोनिया	12	06.1.14	स्व0 मोहन लाल	ग्राम नैणी पो0ओ0 मैकोट जिला चमोली	आर्थिक तंगी के कारण
31.	132343	सौरभ	4	06.10.14	स्व0 मोहन लाल	ग्राम नैणी पो0ओ0 मैकोट जिला चमोली	आर्थिक तंगी के कारण

32.	132854	अतुल	9	09.10.14	स्व0 भगत सिंह	ग्राम सिरौं पो0ओ0 चमोली जिला चमोली	माता पिता की मृत्यु एड्स के कारण बच्चों मे भी एड्स के लक्षण
33.	132855	आयुष	4	09.10.14	स्व0 भगत सिंह	ग्राम सिरौं पो0ओ0 चमोली जिला चमोली	माता पिता की मृत्यु एड्स के कारण बच्चों मे भी एड्स के लक्षण
34.	133134	ईशान	1	01.10.14	हुकुम सिंह	ग्राम दोगड़ी पो0 टंगसा जिला चमोली	शारीरिक अक्षम
35.	133840	सोनाक्षी	8	16.10.14	कुंवर सिंह	ग्राम ग्वाड़ पो0– मैकोट जिला चमोली	विकलांग होने के कारण
36.	15135	दिपेश	10	5.11.014	उत्तम सिंह	ग्राम ग्वाड़ पो0 ओ0– ग्वाड़ जिला –चमोली	दिल की बीमारी होने कारण
37.	15593	पवन सिंह	9	13.11.014	चन्दन सिंह	ग्रम खेनोली पो0ओं0 खेनोली जिला चमोली	शारीरिक विकलांग होने कारण
38.	152656	पुष्कर सिंह	17	21.1.15	सुरेन्द्र सिंह	ग्राम मैखोली पो0 ओ0 मेहलचौरी जिला चमोली	आर्मी में भर्ती होने हेतु दिशा–निर्देशन हेतु चाइल्ड लाइन से सम्पर्क
39.	152957	कु0 प्रियंका	16	27.1.015	स्व0 श्री बहादुर लाल	ग्रम सिमली पो0ओ0 सिमली जिला चमोली	भाई द्वारा उसे दूसरे घर में काम करने हेतु भेजे जाने पर
40.	153209	दलबीर सिंह	17	2.2.015	दर्शन सिंह	ग्राम मैखोली पो0ओ0 मेहलचौरी जिला चमोली	घर छोड़कर भागा हुआ बच्चा
41.	153600	प्रियांशू	5	11.2.15	स्व0 नन्दन सिंह	ग्राम रॉली–ग्वाड़ पो0 ओ0 देवर खडोरा जिला –चमोली	3 सालों से नाक से खून बहने के कारण
42.	153893	जयदीप	14	17.2.015	सोहन लाल	ग्राम देवर पो0 देवर जिला चमोली	स्कूल मे अध्यापक द्वारा मार खाने के कारण स्कूल नहीं जा रहा है।
43.	153897	शिवानी	11	17.02.15	मोहन लाल	ग्राम देवर खटोरा पो0 खटोरा जिला चमोली	घरेलू समस्याओं के कारण स्कूल नहीं जा पा रही है।
44.	154065	आशा	07	21.02.15	दिनेश सिंह	ग्राम कुजांउ पो0– मैकोट जिला चमोली	मां द्वारा प्रताड़ित की जाती है।
45.	154064	दिक्का	4	21.02.15	दिनेश सिंह	ग्राम कुजांउ पो0 मैकोट जिला चमोली	मां द्वारा भेदभाव किया जाता है। तथा पिटाई की जाती है।
46.	154146	बिछना	05	22.02.14	दिनेश सिंह	ग्राम कुजांउ पो0 मैकोट जिला चमोली	आर्थिक स्थिति ठीक न होने के कारण इलाज नहीं हो पा रहा है।
47.	154733	मनीषा	06	16.03.15	कुंवर सिंह	ग्राम थैंग पो0 थैंग जिला चमोली	बोलने एवं सुनने में असमर्थ विकलांग
48.	154732	अनीषा	07	16.03.15	कुंवर सिंह	ग्राम थैंग पो0 थैंग जिला चमोली	विकलांग
49.	154821	करन	09	19.03.15	जसवन्त सिंह	ग्राम सल्याणा पो0 सल्याण ब्लाक गैरसैंण जिला चमोली	सिर पर चोट के इलाज हेतु आर्थिक सहायता
50.	154903	श्रषभ	04	23.03.15	अजमेर सिंह	ग्राम सेलंग पो0 सेलंग जोशीमठ	बोलने एवं चलने में असमर्थ विकलांग
51.	154952	सुन्दर कुमार	10	25.03.15	प्रमोद शाह	ग्राम नन्दप्रयाग ब्लाक कर्णप्रयाग	नियमित स्कूल नहीं जा रहा हैं।
52.	155021	शशिबाला	14	28.03.15	देव सिंह	ग्राम थैंग पो0 थैंग जोशीमठ चमोली	शारीरिक रूप से विकलांग ।

53.	155076	अजय	16	30.03.15	पूरन लाल	ग्राम ढाक पो0 ढाक तपोवन जोशीमठ चमोली	आर्थिक स्थिति ठीक न होने के कारण स्कूल नहीं जा पा रहा है।

हिमाद शिक्षा प्रसार एवं प्रशिक्षण केन्द्र

वर्ष 2009 से हिमाद शिक्षा प्रसार एवं प्रशिक्षण केन्द्र की शुरूवात की गयी अक्टूबर 2010 में इस प्रशिक्षण केन्द्र को विधिवत संचालित किया गया। हिमाद शिक्षा प्रसार एवं प्रशिक्षण केन्द्र पर माह अप्रैल 2014 से मार्च 2015 तक विभिन्न सरकारी विभागो सामुदायिक संगठनो के साथ विभिन्न मुद्दो पर शिक्षण–प्रशिक्षणो का आयोजन किया गया। इसके साथ ही हिमाद शिक्षा प्रसार एवं प्रशिक्षण केन्द्र द्वारा देश एवं विदेश के विभिन्न विधालयों के बच्चों का शैक्षिण भ्रमण एवं प्रशिक्षणो का आयोजन भी इस केन्द्र पर हुआ इसमें बच्चों कों विभिन्न प्रकार की जानकारी प्रदान की गयी है। और साथ ही साथ हिमाद शिक्षा प्रसार एवं प्रशिक्षण केन्द्र द्वारा सोनाली, कण्डारा, जैटी, नौली, हिडोली, आदि गॉवो में विभिन्न संगठनो के साथ जागरूकता कार्यक्रमो का आयोजन भी किया गया है। इसके साथ ही विगत वर्ष हिमाद शिक्षा प्रसार एवं प्रशिक्षण केन्द्र द्वारा आयोजित कोर्स की जानकारी विभिन्न सरकारी एवं गैरसरकारी संस्थाओ को प्रदान की गयी है।

- पारिवारिक शिक्षा
- व्यक्तिगत स्वच्छता
- प्राथमिक उपचार
- जीवन जीने की कला
- जेण्डर
- कैरियर कॉउसलिग
- बाल अधिकार
- आई0सी0डी0एस0 मिशन की जानकारी
- राष्ट्रीय एवं अर्न्तराष्ट्रीय संस्कृति का आदान प्रदान

स्वयंसेवक कार्यक्रम

इस कार्यक्रम के अन्तर्गत हिमाद शिक्षा प्रसार एवं प्रशिक्षण केन्द्र में माह अप्रैल 2014 से मार्च 2015 मुख्य रूप सामाजिक कार्य करने वाले विघार्थी लिनियस विश्वविधालय स्वीडन से स्वयंसेवक के रूप में आयें। इसके साथ ही उन्होने यहॉ कि जीवन शैली व संस्कृति कें साथ–साथ शिक्षा स्वास्थ्य, रोजगार ,आजीविका, पर्यावरण और सामाजिक आर्थिक गतिविधियों का अवलोकन भी किया है।

दिनांक	**अवधि**	**प्रशिक्षण / कार्यशाला का नाम**	**प्रतिभागियो का विवरण**			**योग**	**वर्ग**	**आयोजक**	**आयोजक का प्रकार**
			पुरूष	**महिला**	**बच्वें**				
08 / 04 / 14 सें 09 / 04 / 14	2 दिन	क्षमता विकास कार्यशाला	10	0	0	10	सामाजिक कार्यकर्ता	उधोगिनी नई दिल्ली	एन0जी0ओ0
10 / 05 / 14	1 दिन	सामाजिक कार्यकताओ का क्षमता विकास	12	08	0	20	सामाजिक कार्यकर्ता	स्पैश देहरादून	एन0 जी0 ओ0
11 / 05 / 14	1 दिन	शैक्षिण भ्रमण	32	01	0	33	समाजिक कार्यकर्ता	अन्डर मैगो मुबई	एन0 जी0 ओ0
7 / 06 / 14 से 10 / 06 / 14	4 दिन	सामाजिक कार्यकताओ का क्षमता विकास	12	03	0	15	समाजिक कार्यकर्ता	विज्ञान फाउन्डेशन लखनऊ	एन0 जी0 ओ0
17 / 09 / 14 से	3 दिन	सामाजिक कार्यकताओ का क्षमता विकास	36	04	0	40	समाजिक कार्यकर्ता	नेहरू युवा केन्द्र	सरकारी विभाग

19/09/14									
18/09/14 से 15/10/14	28 दिन	सामाजिक कार्यकर्ता	0	01	0	01	सामाजिक कार्यकर्ता	A. B.C Sweden	एन0 जी0 ओ0
25/09/14 से 27/09/14	3 दिन	सामाजिक कार्यकर्ता	31	09	0	40	सामाजिक कार्यकर्ता	दृष्टि सस्था दिल्ली	एन0 जी0 ओ0
27/09/14	1 दिन	बाल अधिकारो पर चर्चा	0	0	39	39	विर्धार्थी	हिमाद शिक्षा प्रसार एवं प्रशिक्षण केन्द्र	एन0 जी0 ओ0
30/09/14	1 दिन	बाल अधिकारो पर चर्चा	0	0	100	100	विर्धार्थी	हिमाद शिक्षा प्रसार एवं प्रशिक्षण केन्द्र	एन0 जी0 ओ0
9/11/ 14 से 18/12/14	39 दिन	शैक्षिण भ्रमण समाजिक कार्य विर्धार्थी	01	04	0	05	सोशल वर्ग विर्धार्थी	लिनियस विश्वविधालय स्वीडन	विश्वविधायल स्वीडन
19/11/14	1 दिन	महिला अधिकारो पर क्षमता विकास	02	22	0	24	स्वयं सहायता समूह	हिमाद शिक्षा प्रसार एवं प्रशिक्षण केन्द्र	एन0 जी0 ओ0
20/11/14	1 दिन	बाल अधिकारो पर चर्चा	01	0	14	15	विर्धार्थी	हिमाद शिक्षा प्रसार एवं प्रशिक्षण केन्द्र	एन0 जी0 ओ0
22/11/14	1 दिन	बाल स्वास्थ्य क्षमता विकास कार्यशाला	0	0	11	11	विर्धार्थी	हिमाद शिक्षा प्रसार एवं प्रशिक्षण केन्द्र	एन0 जी0 ओ0
2/12/14	1 दिन	बाल अधिकार कार्यशाला	0	0	11	11	विर्धार्थी	हिमाद शिक्षा प्रसार एवं प्रशिक्षण केन्द्र	एन0 जी0 ओ0
7/12/14	1 दिन	महिला अधिकार पर चर्चा	0	0	18	18	विर्धार्थी	हिमाद शिक्षा प्रसार एवं प्रशिक्षण केन्द्र	एन0 जी0 ओ0
13/12/14 से 15/12/14	3 दिन	शैक्षिण भ्रमण	0	03	0	03	सोशल वर्ग टीचर	लिनियस विश्वविधालय स्वीडन	विश्वविधायल स्वीडन
29/12/14 सें 31/12/14	3 दिन	क्षमता विकास कार्यशाला	11	02	0	13	सामाजिक कार्यकर्ता	उधोगिनी नई दिल्ली	एन0जी0ओ0
27/01/15 से 29/01/15	3 दिन	सामाजिक कार्यकताओ का क्षमता विकास	30	10	0	40	समाजिक कार्यकर्ता	नेहरू युवा केन्द्र	सरकारी विभाग
9/02/15	1 दिन	आई0सी0 डी0एस0 पर सामाजिक कार्यकताओ का क्षमता विकास	12	06	02	20	समाजिक कार्यकर्ता	फोर्सस नई दिल्ली	एन0जी0ओ0
1/03/15 से 2/03/15	2 दिन	आई0 सी0 डी0 एस0 पर जनप्रतिनिधियो एवं अन्य स्टेक होल्डरो का क्षमता विकास	16	40	0	56	जनप्रतिनिधिएवं अन्य स्टेक होल्डर	फोर्सस नई दिल्ली	एन0जी0ओ0
18/03/15	1 दिन	सामाजिक कार्यकताओ एवं जनप्रतिनिधियो का क्षमता विकास	25	19	0	44	जन प्रतिनिधियो एवं सामाजिक कार्यकर्ता	आई0टी0फोरम उत्तराखण्ड	एन0जी0ओ0
		योग	**231**	**132**	**195**	**558**			

शहरी गरीबों के आर्थिक एवं सामाजिक अधिकारों की पैरवी

विज्ञान फाउण्डेशन लखनऊ के सहयोग से देहरादून शहर में संचालित की जा रही इस परियोजना के तहत वर्ष 2014–15 में इस निम्नलिखित गतिविधियां आयोजित की गयी।

क्षेत्र स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम

15 अगस्त स्वतन्त्रता दिवस के अवसर पर हमारी टीम ने उत्तराखण्ड बिहार में बच्चों के साथ प्रोग्राम रखा और लोगों की एक क्षेत्र स्तरीय जागरूकता बैठक भी की गयी। बैठक में 40–50 बच्चे एवं 25–30 बड़े लोग सम्मिलित हुए। सर्वप्रथम बच्चों को स्वतन्त्रता दिवस मनाये जाने के बारे मे बताया गया। बैठक में निर्धारित हुआ कि बस्ती के लोग सप्ताह में एक दिन बस्ती के कूड़े को एकत्र करें और सफाई करें, महीनें में अपनी बैठकें करे और बैठको में जो भी तय होता है उसको रजिस्टर मे लिखें तथा बैठक में बस्ती की जो भी मुख्य समस्या उभर कर सामने आती है उसे एक एप्लीकेशन के रूप में लिखकर क्षेत्र के पार्षद, विधायक एवं नगर निगम को दें और यह कार्य सभी लोग एक समूह के रूप में करना चाहिए।

ऋषिनगर, भगत सिंह कालोनी एवं बलबीर रोड में भी क्षेत्र स्तरीय जागरूकता बैठकें की गयी। जिसमें लोगों को आवास के अधिकार के बारे में बताया गया साथ ही देहरादून शहर के मलिन बस्तियों की स्थिति एवं इस परियोजना के तहत चयनित 10 बस्तियों में किये जा रहे कार्य तथा आवास के अधिकार की विस्तृत जानकारी दी गयी। बैठकों में बस्तियों के प्रतिनिधि, मलिन बस्ती विकास परिषद के अध्यक्ष सूर्यकान्त धस्माना जी, जिला अध्यक्ष दिनेश कौशल एवं शहरी गरीब संघर्ष मोर्चा के सदस्य सम्मिलित हुए। बैठकों में सम्मिलित सभी लोगो ने आवास के अधिकार, मालिकाना हक एवं बस्ती के लोगों का संगठन बनाने की बात प्रमुखता से उठाई। सभी बैठकों में ऋषिनगर के 118, भगत सिंह कालोनी के 60 एवं बलबीर रोड के 75 लोगों ने भाग लिया।

सामुदायिक संगठनों की शहर स्तरीय बैठकें

सर्वप्रथम परियोजना टीम ने इन बैठकों की तिथि निर्धारित की एवं बैठकों के लिए एजेंडा तैयार किया। एजेंडें मे निम्न बातें रखी गयी– बस्तियों की वर्तमान स्थिति एवं आपदा का प्रभाव, संगठन, दीन दयाल उपाध्याय मलिन बस्ती नीति, स्वरोजगार, पता और मकान नम्बर, एवं शहर विकास प्लान और मास्टर प्लान। बैठकों में सामूहिक रूप से निकलकर आया कि हम क्या कर सकतें है? जिस पर बस्ती के सक्रिय व्यक्तियों एवं नेताओं ने कहा कि सबसे पहले हमें अपनी बस्ती स्तर से लेकर शहर भर का संगठन बनाना होगा और इसको एक नाम देना होगा। बैठकों मे सम्मिलित सभी लोगों ने एक्शन प्लान तैयार किया और तय किया कि बस्ती के लोगों के साथ वार्ड स्तर की बैठकें की जायेगी जिसमें वार्ड सदस्य एवं पार्षद भी सम्मिलित होंगें। बस्ती स्तर से लेकर शहर स्तर का संगठन बनाना है और सदस्यता लेनी है, प्रत्येक बस्ती में महिलाओं का समूह बनाना है, एवं किसी खास दिवस पर शहर में सम्मेलन करना है जिसमें स्थानीय राजनीतिज्ञों, स्वयं सेवी संस्थाओं, मीडिया कर्ममियों एवं वकील आदि लोगो को भी आमन्त्रित किया जायेगा।

इण्टर फेस बैठकें

भगत सिंह कालोनी, पूरन बस्ती एवं शांति बिहार में पार्षदों के साथ इंटरफेस बैठकें की गयी। बैठकों में सभी 10 बस्तियों के लोग सम्मिलित हुए। बैठकों में लोगों ने आधारभूत सुविधाओं की स्थिति और उनको प्राप्त करने के लिए प्रतिनिधियों से सवाल जबाब व सामुहिक चर्चा। शहरी गरीब संघर्ष मोर्चा को मजबूत बनाकर समस्याओं के निराकरण के लिए सामुहिक पहल पर बल

दिया गया। प्रतिभागियों ने माना कि हम सभी लोगों को संगठित और एकजुट होकर कार्य करना है । पार्षद कमली भट्ट एवं राजेश चौधरी ने भी लोगों से संगठन बनाकर एकजुट होकर कार्य करने की सलाह दी।

नगर निगम से आयी पल्लवी जोशी ने जे0एन0एन0यू0आर0एम0 के तहत शहरी गरीबों के लिए सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के तहत युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के मकशद से प्रशिक्षण व स्वयं सहायता समूह बनना सम्मिलित हैं। इन योजनाओं के बारे में उन्होंने बस्ती के लोगों को बताया और कहा कि लोग नगर निगम से आवेदन पत्र प्राप्त कर सकते हैं।

महात्मा गॉधी जयन्ती के अवसर पर

प्रोजेक्ट टीम ने पंचपुरी में बच्चों के साथ 2 अक्टूबर को महात्मा गॉधी जयन्ती मनायी। बच्चों को 2 अक्टूबर, महात्मा गॉधी जयन्ती के रूप मे मनाये जाने के बारे में बताया गया। बक्ताओं ने लोगों से कहा कि सभी लोगों को अपने आस–पास हमेशा सफाई रखनी चाहिए और घरों का कूडा खुले स्थान में फेंकने के बजाय एक जगह पर डालकर उसे नष्ट कर देना चाहिए, ताकि गन्दगी न हो और बीमारी ना फैले। उसके बाद वहॉ के लोगों और बच्चों के साथ मिलकर सफाई की गयी और कूडे को एक स्थान पर एकत्रित्र कर उसे नष्ट कर दिया गया। लोगों ने कहा कि वो आज से कूडा न तो नदी में फेंकेंगे और न ही खुले स्थानों पर, सभी लोग ऐसी सफाई करके कूडे को एक स्थान पर रखकर नष्ट करेंगे। यदि कोई भी व्यक्ति खुले में कूडा फेंकते हुए पकडा जायेगा तो उसके प्रति कारवाई की जायेगी और उसकी शिकायत नगर निगम को भी की जायेगी।

विश्व पर्यावास दिवस, आवास का अधिकार – जन संवाद

हिमाद समिति ने विश्व पर्यावास दिवस के अवसर पर पंचपुरी, पूरन बस्ती में आवास का अधिकार – जन संवाद का आयोजन किया। कार्यक्रम में क्षेत्र के विधायक एवं संसदीय सचिव, आवास(मंत्री स्तर) श्री राजकुमार जी, मुख्य नगर अधिकारी हरक सिंह रावत, पार्षद राजेश चौधरी, मीडिया कर्मी एवं अन्य सामाजिक कार्यकर्ता सम्मिलित हुए। कार्यक्रम में पिछले एक साल से देहरादून शहर की 10 मलिन बस्तियों मे बेसिक नीड के लिए कर रहे कार्यो के बारे में बताया गया और लोगों को एकजुट होकर कार्य करने पर बल दिया गया। बस्ती स्तर पर संगठन बनाना होगा तभी जाकर हमें हमारे अधिकार मिलेंगें। कार्यक्रम में आवास की वर्तमान स्थितियों पर चर्चा की गयी और सभी ने एक स्वर में सुरक्षित आवास के अधिकार की भी पैरवी की

विधायक श्री राजकुमार ने लोगों सं कहा कि वह काफी लम्बे से मलिन बस्तियों के अधिकारों के लिए कार्य कर रहे हैं और आने वाले समय में भी करते रहेंगे। उन्होंने लोगों को राजीव आवास योजना एवं राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के तहत चल रही योजनाओं और उनके लाभों के बारे में बताया। एम0एन0ए0 श्री हरक सिंह रावत ने भी लोगों को पर्यावास दिवस के बारे में बताया और योजनाओं की जानकारी दी।

बाल दिवस का आयोजन

प्रोजेक्ट टीम द्वारा शांति विहार में बाल दिवस का आयोजन किया गया जिसमें सर्वप्रथम बच्चों को बाल दिवस के बारे में बताया गया एवं लोगों को बच्चों की शिक्षा एवं स्वास्थ्य के बारे में जागरूक रहने के लिए कहा गया इस मौके पर बच्चों ने अपने–2 गीत नाटक एवं डांस के कार्यक्रम प्रस्तुत किये। लोगों से अपील की गयी कि सारी बस्ती के लोग एकत्रित्र होकर अपनी बस्ती की सफाई करें और उसे साफ एवं सुन्दर बनाये रखें।

लीगल एक्सपर्ट / लीगल फैलो के साथ कार्यशाला

कानूनी मुद्दों पर वकीलों, स्टेकहोल्डर, सी0बी0ओ लीडर, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं बस्ती के लोगों के साथ कार्यशाला रखी गयी। जिसमें सभी बस्ती के लोगों एवं सी0बी0ओ लीडर ने अपनी–2 बस्तियों की समस्याओं रखी। कार्यशाला मे उपस्थित वकीलों ने लोगों को बस्ती बसाने एवं उजाड़ने विषयक कानून और पेचीदगियां बतायी और कहा कि सभी बस्तियों के लोगों को अपने अधिकारों के लिए जागरूक और एकजुट होना होगा तभी जाकर आप लोगों को अपने अधिकार मिलेंगे। अन्त में वकीलों ने कहा कि हम अपनी ओर से आप लोगों की पूरी मदद करेंगे और हर समय आप लोगों के साथ रहेगें और साथ देंगे।

शहरी गरीब रैली

मलिन बस्ती विकास परिषद एवं शहरी गरीब संघर्ष मोर्चा ने मलिन बस्ती विकास परिषद के अध्यक्ष श्री सूर्यकान्त धस्माना के नेतृत्व में एक शहरी गरीब रैली का आयोजन किया, जिसमें देहरादून शहर की 129 मलिन बस्तियों के लोग सम्मिलित हुए रैली के माध्यम् से मुख्यमंत्री एवं मेयर नगर निगम के सामने मलिन बस्तियों की समस्याओं को रखा गया। और यह भी दोहराया गया कि नगर निगम द्वारा बार–2 बस्तियों को हटाये जाने, और सरकार द्वारा बस्तियों को नियमित न किये जान तथा लोगों को मालिकाना हक न दिये जाने से इन जगहों पर निवास करने वाले लोग भयभीत हैं। मुख्यमंत्री जी की ओर से रैली को आश्वासन मिला कि बस्तियों का नियमितीकरण होगा और लोगों को जबरन नहीं हटाया जायेगा। जल्द ही सर्वे के बाद इन बिन्दुओं पर फैसला लिया जायेगा।

देहरादून शहर विकास प्लान के संदर्भ में चर्चा

देहरादून शहर विकास प्लान एवं मलिन बस्तियों के विषय पर ऋषिनगर में एक बैठक आयोजित की गयी। बैठक में देहरादून विकास प्लान, JNNURM एवं RAY योजनाओं के बारें में चर्चा की गयी। बस्तियों के लोगों ने अपनी–2 समस्याऐं रखी तथा, सुझाव नोट जो कि हिमाद के द्वारा बनाया गया फार्मेट में अपनी–2 समस्याऐं लिखी और यह फार्मेट नगर निगम को सौंपने के लिए कहा। ताकि नगर निगम बस्तियों की समस्याओं को संशोधित विकास प्लान में रख सके। बैठक में यह भी बात हुई कि मलिन बस्तियां केवल वोट की राजनीति तक ही सीमित नहीं रहनी चाहिए, अपितु अब बस्ती के लोगों को अपना संगठन शहरी गरीब संघर्ष मोर्चा मजबूत बनाना ही होगा और अपनी लडाई खुद लड़नी होगी।

बस्तियों एवं लेबर अडडों की केस स्टडी एवं साक्ष्य एकत्रीकरण

प्रोजेक्ट टीम चयनित 10 बस्तियों एवं अन्य 3 बस्तियों (जिनमें बार–2 अतिक्रमण हटाये जाने की बात आ रही थी) में गयी और वहॉ पर लोगों से मिली जिनमें कुछ लोग बस्ती में सबसे पहले बसे हुए लोग शामिल थे और कुछ नये लोग भी, हमने लोगो से बस्ती के बसने का समय, बस्ती मे आधार भूत सुविधायें, समस्याऐं, बस्ती उजाड़ने की समस्या आदि के बारे में जानकारी एकत्रित्र की, जिसमें मुख्य बातें निकल कर आयी कि लगभग सभी बस्तियॉ 30–35 वर्ष पुरानी हैं और जब बस्तियॉ बसी तो उस समय केवल 2–4 परिवार ही वहॉ पर रहते थे लोगों ने पन्नी लगाकर झुग्गियॉ डाली थी। उस समय बस्तियों में बिजली एवं पानी की व्यवस्था नहीं थी। बस्ती के लोगों के प्रयासों, विधाययक, पार्षद, प्रधान, क्षेत्र के जागरूक लोगों एवं समाजसेवियों के प्रयासों एवं मद्द से बस्ती में मूलभूत सुविधाऐं प्राप्त की गयी। आज बस्तियों मे सभी समुदायों के लोग निवास करते हैं, कुछ बस्तियों की स्थिति तो ठीक है लेकिन कुछ की हालत गम्भीर है। आज भी इन बस्तियों में न तो सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र हैं, न ही ऑगनबाडी, न ही रजिस्टरी की जमीन। आज इन बस्तियों में बरसात के समय बाढ खतरा बना हुआ है

पिछले एक साल से हिमाद के प्रयासों से लोगों में जागरूकता और विश्वास पैदा हुआ है, कुछ बस्तियों में बिजली, पीने के पानी तथा सुरक्षा की व्यवस्था भी प्राप्त हो पायी है। टीम के द्वारा साक्ष्य के रूप में बस्ती के पानी एवं बिजली के बिल, पहचान पत्र, बस्ती द्वारा विभागों के लिखी गयी एप्लीकेशन एवं कुछ अन्य साक्ष्य एकत्रित्र किये गये हैं। टीम के द्वारा देहरादून शहर के लेबर अडडों को चिह्नित किया गया, जिनकी केस स्टडी की गयी, जिसमें लेबरों के साथ फोकस ग्रुप डिस्कसन भी किये गये।

बस्तियों में मकान संख्या का निर्धारण और पता (Housing Numbering)

प्रोजेक्ट टीम ने चयनित 10 बस्तियों मे जिनमें मकान संख्या नहीं थे उनमें वहीं के लोगों के माध्यम् से मकान संख्या डलवाये। जब हम बस्तियों मे गये तो हमने लोगो के पहचान पत्र देखे जिनमें से कुछ मे तो मकान संख्या थी लेकिन कुछ में मकान संख्या के स्थान पर शून्य लिखा था, जब हमने आधार कार्ड देखा तो उसमें मकान संख्या डाली गयी थी। जिन बस्तियों में ऐसा था वहॉ हमने लोगों को क्रमिक रूप से मकान नम्बर दिये और उनके घरों पर भी वह संख्या लिख दी और लोगों को कहा कि जब भी आप कहीं अपने घर का पता दे तो उसमें ये मकान संख्या जरूर अंकित करें। इसके सत्यापन के लिए हमने प्रत्येक बस्ती के 4–5 लोगों को पोस्ट कार्ड भी भेजे।

शहरी गरीब संघर्श मोर्चा

प्रोजेक्ट टीम के सहयोग से चयनित 10 बस्तियों एवं अन्य बस्तियों में वस्ती वासियों ने शहरी गरीब संघर्ष मोर्चा का गठन किया और इसकी सदस्यता अभियान चलाया, आज वस्ती के लोगों का अपना यह संगठन धीरे धीरे आकार ले रहा है।

सूडा एवं अस्तित्व कार्यालय विजिट

प्रोजेक्ट टीम सूडा कार्यालय गयी, हमने सूडा के ढॉचें एवं कार्यों को समझा। वहॉ से हमने शहरी गरीबों के लिए सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी ली। इन योजनाओं में राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन, युवा प्रशिक्षण व रोजगार एवं स्वयं सहायता समूह योजनाऐं सम्मिलित हैं। इन योजनाओं के बारे में हमने अपनी बस्ती के लोगों को बताया और कहा कि लोग नगर निगम से आवेदन पत्र प्राप्त कर सकते हैं।

प्रोजेक्ट टीम ने स्वयं सेवी संस्था अस्तित्व का भ्रमण किया। अस्तित्व संस्था जो कि घरेलू कामगार महिलाओं के साथ देहरादून शहर में कार्य करती है। हमने अस्तित्व के कार्यो को समझा और हमने अपने कार्यों को उनके साथ शेयर किया एवं उनके कार्यों के अनुभवों एवं कार्य रणनीतियों को समझा।

बेस लाइन हाउस होल्ड सर्वे की जॉच

प्रोजेक्ट टीम ने चयनित 10 बस्तियों का दौरा किया और बेस लाइन हाउस होल्ड सर्वे के लिए गये परिवारों से मिले। जब पिछले वर्ष बेस लाइन हाउस होल्ड सर्वे किया था तब सर्वे के दौरान निकल कर आया कि कुछ परिवारों के पास न तो वोटर कार्ड है, न राशन कार्ड, न आधार कार्ड और न ही इनका कोई बैंक खाता है। लेकिन इस समय देखा गया कि सभी लोगो के वोटर कार्ड, राशन कार्ड, आधार कार्ड बने है और बैंक खाते भी खुले हैं। इसका एक मुख्य कारण हमारी टीम का हस्तक्षेप करना और लोगों मे जागरूकता आना है, एवं दूसरा कारण राजनीतिक चुनाव हैं।

नगर निगम एवं एमडीडीए कार्यालय विजिट

प्रोजेक्ट टीम नगर निगम कार्यालय गयी, सर्वप्रथम हमने नगर निगम के ढॉचें एवं कार्यों को समझा। वहॉ से हमने जे0एन0एन0यू0आर0एम0 के तहत शहरी गरीबों के लिए सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी ली। इन योजनाओं में राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन, युवा प्रशिक्षण व रोजगार एवं स्वयं सहायता समूह योजनाऐं सम्मिलित हैं। इन योजनाओं के बारे में हमने अपनी बस्ती के लोगों को बताया और कहा कि लोग नगर निगम से आवेदन पत्र प्राप्त कर सकते हैं।

एमडीडीए कार्यालय से हमने देहरादून शहर के रेनबसेरों की जानकारी ली। कार्यालय से हमें जानकारी मिली कि देहरादून शहर में 2 रेनबसेरे हैं, जिनमें से एक नगर निगम के माध्यम से चलता है और एक काफी समय से क्रियाशील नहीं है। जो रेनबसेरा अभी क्रियाशील है उसमें मजदूर लोग निवास करते हैं।

घरेलू कामगार महिलाओं के साथ बैठकें

प्रोजेक्ट टीम ने चयनित 10 बस्तियों में घरेलू कामगार महिलाओं के साथ बैठकें की। जिसमें हमने अस्तित्व संस्था (जो कि घरेलू कामगार महिलाओं के साथ देहरादून शहर में कार्य करती है) के कार्यकर्ताओं को बुलाया और उन लोगों ने महिलाओं को अपने कार्य करने के बारे में बताया कि वे लोग किस तरह से घरेलू कामगार महिलाओं के साथ कार्य करते हैं और साथ में उन्होनें महिलाओं को स्वरोजगार के बारे में भी जानकारी दी।

अन्य कार्य

प्रोजेक्ट टीम ने सपेरा बस्ती एवं पंचपुरी में सिलाई सेन्टर खुलवाये एवं अपनी सभी बस्तियों की ऑगनबाडी, प्राथमिक एवं जूनियर विद्यालयों की समस्याओं के बारे में जाना और जिन बच्चों ने किन्हीं कारणों से स्कूल छोड दिया था उन बच्चों और नये बच्चों का विद्यालय में दाखिला करवाया।

प्रारम्भिक बाल शिक्षा एवं विकास

नेशनल फोर्सेस नेटवर्क के अर्न्तगत उत्तराखण्ड चैप्टर के कन्वीनर आर्गनाइजेशन का कार्य हिमाद पिछले लम्बे समय से करते आ रहा है मुख्य तौर से समेकित बाल विकास कार्यक्रम को सार्वभौमिक बनाने के लिए जन पैरबी का कार्य नेटवर्क के माघ्यम से किया जाता रहा है। नेटवर्क प्रत्येक वर्ष स्टेक होल्डर की कार्यशाला आयोजित करता है, इस वर्ष पंचायत प्रतिनिधियों एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं तथा ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण समिति कार्यशाला का आयोजन माह फरवरी में हिमाद शिक्षा प्रसार प्रशिक्षण केंन्द्र हड़ाकोटी में किया गया तथा राज्य भर की स्वैच्छिक संस्थाओं के प्रतिनिधि, आंगनबाडी कार्यकर्ता यूनियन प्रतिनिधि, ट्रेड यूनियन प्रतिनिधि, पंचायत एवं ओपिनियन मेकर प्रतिनिधियों ने भाग लेकर आइसीडीएस मिशन मोड के प्राविधान, क्रियान्वयन, जिम्मेदारी, सहभागिता, संम्भावित अवसर एवं खतरों को लेकर एक साझा समझ विकसित करने का प्रयास किया। कार्यशाला में नेशनल फोर्सेस के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया। स्टेट चैप्टर कन्वीनर डा0

डी0 एस0 पुण्डीर, पार्टनर सदस्य पुरूषोत्तम बडोनी, सरदार लखबीर सिंह, कुलदीप बिष्ट आदि ने नेशनल नेटवर्क की आयोजित अनेक क्षमता विकास एवं सेयरिंग कार्यशालाओ में अपनी भागेदारी निभायी।

उद्योगिनी /इंटेल परियोजना

उद्योगिनी/ इंटेल परियोजना के तहत विकासखण्ड कर्णप्रयाग में आपदाग्रस्त परिवारों के साथ आजीविका संवर्द्वन का कार्य किया जा रहा है।

जून माह में आयी आपदा के कारण सुनाली, जेटी, तेफना, बांतोली थिरपाक, खडगोली,गांवों में कृषि पशुपालन एवं अन्य आर्थिकी से जुड़े कार्यों में काफी नुकसान हुआ है जिसके तहत इन गांवों के 140 परिवारों के साथ उद्योगिनी इंटेल परियोजना के माध्यम से कृषि, पशुपालन एवं गैर कृषि कार्यों को किया जा रहा है। जिससे ये परिवार आपदा में हुए नुकसान से उबर सकें और दुबारा से अपनी आजीविका को पटरी पर ला सके। इस कार्यक्रम के तहत 140 परिवारों के साथ मटर, गोभी, प्याज, मूली, लहसुन, मुर्गी पालन, बकरी पालन, आटा चक्की, बिग ब्रदर मशीन, सिलाई मशीन, हैण्ड फलैट मशीन आदि गतिविधियां संचालित की गयी।

युवा विकास केन्द्र

नेहरू युवा केन्द्र गोपेश्वर चमोली के सहयोग से संस्था द्वारा संस्था कार्यालय में युवा विकास केन्द्र का संचालन किया गया जा रहा है। इस वर्ष नेहरू युवा केन्द्र के माध्यम से संस्था द्वारा युवा सप्ताह के तहत विभिन कार्यक्रमों का संचालन कार्यक्षेत्र में किया गया वही नेहरू युवा केन्द्र के सहयोग से देवर खडोरा गांव में 14 महिलाओं 03 माह का लघु व्यवसायिक प्रशिक्षण दिया गया । युवा के लिए नेतृत्व विकास एंव कौशल निर्माण का प्रशिक्षण भी संस्था के प्रशिक्षकों को माध्यम से किया गया।

जनवकालत

- एंकर एनजीओं डीआरडी विभाग गोपेश्वर चमोली
- विधिक सेवा प्राधिकारण के तहत संस्था के 04 सदस्य पैरा लिगल स्वय सेवक के रूप में कार्यरत है। जिसके माध्यम से कानूनों एवं अधिकारों की पैरवी की जा रही हैं
- पुलिस विभाग की एच्छिक ब्यूरो एवं महिला हेल्प लाइन 1090 की सदस्य,
- बाल विकास विभाग की निर्भया समिति, में सदस्य
- घरेलू महिला हिंसा अधिनियम के तहत सेवा प्रदाता,
- बाल कल्याण समिति में सदस्य
- रेड रिबन क्लब के सदस्य के रूप में नामित हैं ।
- बाल अधिकार संरक्षण आयोग उत्तखण्ड देहरादून द्वारा बाल श्रम मुक्ति के जिला स्तरीय टास्क फोर्स के सदस्य
- जनपद स्तरीय जिला अपराधिक दुर्धटना , सहायता एवं पुर्नवास बोर्ड कार्यो की समीक्षा समिति के सदस्य
- जनपद स्तर में अस्वच्छ शौचालयों में कार्यरत manual scavengers के सर्वेक्षण एवं पुर्नवास कार्यो हेतु जिला स्तरी समिति के सदस्य
- निदेशालय पंचायत राज उत्तराखण्ड के द्वारा पंचायत सशाक्तिकरण एवं जबावदेही प्रोत्साहन योजना के अर्न्तगत राज्य स्तरीय समिति के सदस्य
- राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा के तहत जिला समिति के सदस्य के रूप में नामित।

नेटवर्किंग

- भूमिहीन सर्वहारा संर्धष समिति गोपेश्वर चमोली
- अनूसूचित जाति भूमिहीन संर्धष समिति पोखरी चमोली
- सिग्वाली विकास संर्धष समिति सिलगी चमोली
- चन्द्रशिला बाल एवं किशोर संगठन सलना चमोली
- पर्वतीय कृषि एवं विपणन स्वास्थ्यत सहकारिता गोपेश्वर चमोली
- नन्दाकिनी स्वास्थ्यत सहाकारी समिति नन्द प्रयाग चमोली
- समान विचार धारा वाले विभिन्न संस्थाओं जनसंगठनों एवं सामुदायिक संगठनों के साथ समन्वयन ।

शिक्षण - प्रशिक्षण

- विधिक सेवा प्रधिकरण के तहत स्वय सेवक के चार दिवसीय प्रशिक्षण में 0 सदस्यों के द्वारा प्रतिभाग किया गया।
- पुलिस विभाग द्वारा गोपेश्वर में आयोजित महिला हिंसा , शोषण, उत्पीडन पर कानूनी जानकारी हेतु आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण में 03 सदस्यो के द्वारा प्रतिभाग किया गया।
- काई नई दिल्ली द्वारा आयोजित इलाबाद में राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान पर दृष्टिकोण निर्माण कार्यशाला में 02 सदस्यों के द्वारा प्रातिभाग किया गया।
- चाईल्ट लाईन फाउण्डेशन द्वारा देहरादून में आयोजित संमेकित बाल सुरक्षा कार्यक्रम चार दिवसीय प्रशिक्षण में 09 सदस्यों के द्वारा प्रतिभाग किया गया।
- 8 मार्च को ग्राम धिधराण में आयोजित महिला दिवस में संस्था के सदस्यों के द्वारा प्रतिभाग एवं कार्यक्षेत्र के समुदाय की उपस्थिति
- स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयोजित जनसंख्या स्थिरित पखवाडा के बैठक में 08 सदस्यों के प्रतिभाग ।
- पुलिस महिला हेल्प लाईन 1090 के द्वारा आयोजि प्रशिक्षण में महिला हिंसा अधिनियम पर संस्था 01 सदस्य द्वारा प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दिया।
- माउण्टेन कलैक्टिव के तहत जलवायु परिर्वतन जन जागरण अभियान में सक्रिय भागेदारी।

संस्था प्रबन्धकारिणी की सूची

क0 स0	नाम	पिता /पति का नाम	पता	उम्र	पद	व्यवसाय
01	डा0डी0एस0 पुण्डीर	श्री हरि सिंह पुण्डीर	शिवलोक कॉलोनी रायपुर देहरादून	50	अध्यक्ष	समाजकार्य
02	श्री सुरेन्द्र सिंह रावत	श्री नारायण सिंह रावत	ग्राम सिलंगी पों0 कांचुला जिला चमोली	43	उपाध्यक्ष	समाज कार्य
03	श्री उमाशंकर विष्ट	श्री किशन सिंह विष्ट	ग्राम एवं पोस्ट मण्डल जिला चमोली	42	सचिव	समाज कार्य
04	श्री सतेन्द्र परमार	श्री पूर्ण सिंह परमार	मन्दिर मार्ग गोपेश्वर चमोली	46	कोषाध्यक्ष	समाज कार्य
05	श्रीमती सुधा नेगी	श्री ताजवर सिंह नेगी	जीजीआईसी रोड गौचर चमोली	36	सहसचिव	सेवारत
06	श्रीमती प्रभा रावत	श्री जगजीवन सिंह रावत	ग्राम सिरोली पो0 मण्डल जिला चमोली	37	सदस्य	समाज कार्य
07	श्री युद्धवीर सिंह	श्री कुन्दन सिंह पुण्डीर	ग्राम –मोली पो0 कांचुला जिला चमोली	41	सदस्य	समाज कार्य

कुछ खास समाचार पत्रों की कतरन वर्ष 2014–15

जागरुकता से ही विकास संभव

दशोली ब्लॉक के मंडल व पोखरी ब्लॉक के हापला में हुई कार्यशाला

सहारा

स्कूलों में सुविधाओं के लिए सहयोग जरूरी : गुसाईं

सोमवार • 9 मार्च • 2015 सहारा

अपनी शक्तियों को पहचानें : भागीरथी

बाल मेले में उमड़ी बच्चों की भीड़

बाल मेले में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

दैनिक जागरण देहरादून, 14 सितंबर 2014

बच्चों की सुरक्षा को आगे आई हिमाद समिति

संवाद सहयोगी, गोपेश्वर: बच्चों की सुरक्षा व अधिकारों को लेकर हिमाद समिति आगे आई है। समिति ने चमोली जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में गोष्ठियां आयोजित कर आम लोगों को बच्चों के अधिकारों के बारे में जानकारी देने के अलावा जागरुकता अभियान भी चलाया।

चमोली जिले के बैरागना, मंडल व बैना बस्ती में आयोजित गोष्ठियों में हिमाद समिति के सचिव उमाशंकर बिष्ट ने कहा कि शून्य से 18 वर्ष तक के बच्चों की सुरक्षा के लिए समेकित बाल सुरक्षा कार्यक्रम के तहत चाइल्ड लाइन 1098 संचालित की जा रही है। इसके तहत किसी भी बच्चे को यदि सुरक्षा की जरूरत हो और उसके अधिकारों का कुठाराघात किया जा रहा हो तो कोई भी व्यक्ति 1098 टोल फ्री नंबर पर फोन कर इस संबंध में जानकारी दे सकता है। इस टोल फ्री नंबर पर चौबीसों घंटे सेवाएं उपलब्ध रहती हैं। उन्होंने कहा कि मुख्य रूप से विकलांग बच्चों, बाल मजदूरी, यौन दुर्व्यवहार से ग्रसित बच्चों की मदद के लिए यह चाइल्ड लाइन संचालित की जा रही है। कहा कि बच्चों की सुरक्षा के लिए गोष्ठियों के अलावा जागरुकता कार्यक्रम भी संचालित किए जा रहे हैं।

बैरागना की महिला मंगल दल अध्यक्ष प्रेमकला देवी ने कहा कि इस तरह की जानकारी से न केवल ग्रामीणों में जागरुकता बढ़ेगी बल्कि बच्चों के साथ होने वाले अपराधों को भी रोका जा सकेगा।

बेहतर समन्वय से मिलेंगी स्वास्थ्य सुविधाएं

4 सहारा

सर्वांगीण विकास के लिए खेल जरूरी

देहरादून। रविवार • 8 फरवरी • 2015 सहारा

कुपोषण से निजात के लिए सामूहिक भागीदारी जरूरी

देहरादून, 9 फरवरी 2015 दैनिक जागरण

ग्रामीणों को बताए आसीडीएस के फायदे

दैनिक जागरण देहरादून, 8 सितंबर 2014

गढ़वाल जागरण

जागरुकता से ही होगा पर्यावरण संरक्षित: बिष्ट